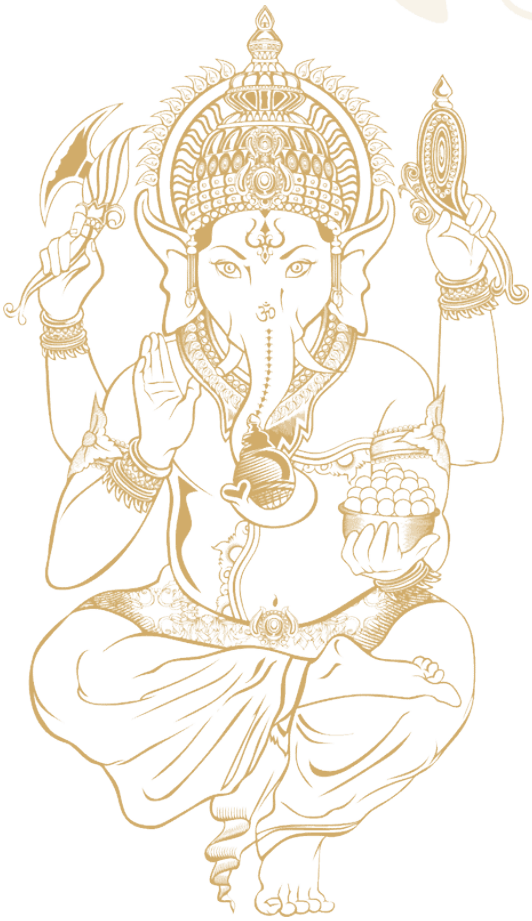

Nitesh Sharma

04 Oct 1985

11:40 AM

Jaipur

Model: Varshphal-2017

Order No: 119403501

तिथि 04/10/1985 **समय** 11:40:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Jaipur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:39:17
अक्षांश 26:53:00 उत्तर **रेखांश** 75:50:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:26:40 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	12:04:52 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:11:12 घं	योनि	सर्प
सूर्योदय	06:20:36 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	18:09:55 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2042	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1907	वर्ग	मृग
मास	आश्विन	युँजा	पूर्व
पक्ष	कृष्ण	हंसक	भूमि
तिथि	5	जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
नक्षत्र	रोहिणी	पाया(रा.-न.)	ताम्र-स्वर्ण
योग	सिद्धि	होरा	मंगल
करण	तैतिल	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 7मा 16दि
गुरु
21/05/2017
21/05/2033

गुरु	10/07/2019
शनि	20/01/2022
बुध	27/04/2024
केतु	03/04/2025
शुक्र	03/12/2027
सूर्य	20/09/2028
चन्द्र	20/01/2030
मंगल	27/12/2030
राहु	21/05/2033

योगिनी
सिद्धा 4वर्ष 7मा 20दि
सिद्धा
26/05/2019
26/05/2026

सिद्धा	04/10/2020
संकटा	25/04/2022
मंगला	05/07/2022
पिंगला	24/11/2022
धान्या	26/06/2023
भ्रामरी	05/04/2024
भद्रिका	26/03/2025
उल्का	26/05/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			26:00:50	वृश्चि	ज्येष्ठा	3	बुध	राहु	---	0:00			
सूर्य			17:18:30	कन्या	हस्त	3	चंद्र	शनि	सम राशि	1.53	मातृ	पितृ	जन्म
चंद्र			14:29:41	वृष	रोहिणी	2	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण	1.19	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			21:38:34	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु	मित्र राशि	1.57	अमात्य	भ्रातृ	मित्र
बुध		अ	25:52:22	कन्या	चित्रा	1	मंगल	राहु	स्वराशि	1.05	आत्मा	ज्ञाति	सम्पत
गुरु			13:28:04	मक	श्रवण	2	चंद्र	राहु	नीच राशि	0.86	ज्ञाति	धन	जन्म
शुक्र			21:11:02	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि	1.27	भ्रातृ	कलत्र	मित्र
शनि			01:30:39	वृश्चि	विशाखा	4	गुरु	राहु	शत्रु राशि	1.01	कलत्र	आयु	क्षेम
राहु			15:44:28	मेष	भरणी	1	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु			15:44:28	तुला	स्वाति	3	राहु	शुक्र	सम राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

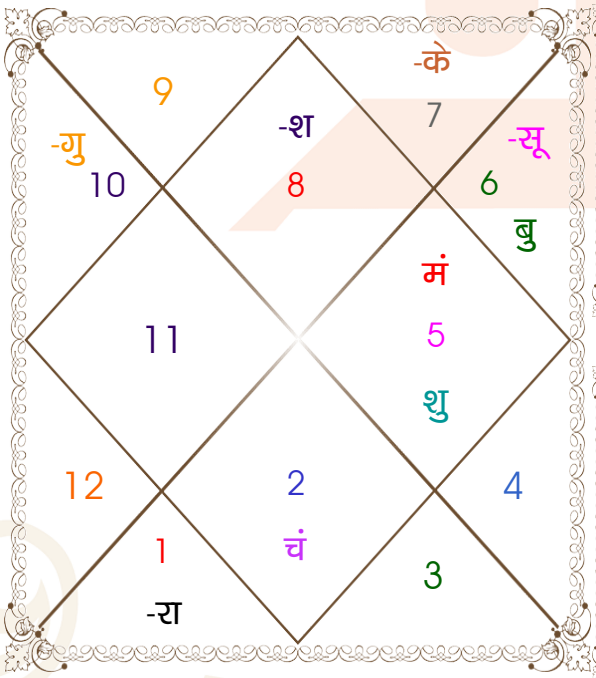

चन्द्र कुंडली

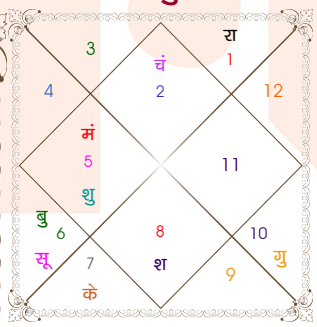

नवमांश कुंडली

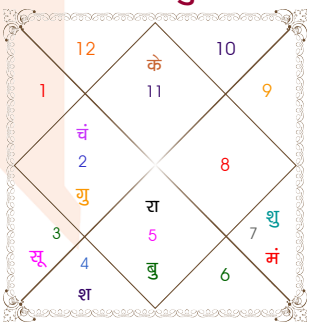

सर्वाष्टकवर्ग

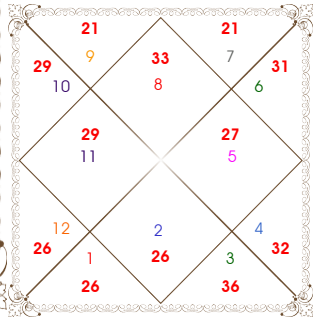

दशमांश कुंडली

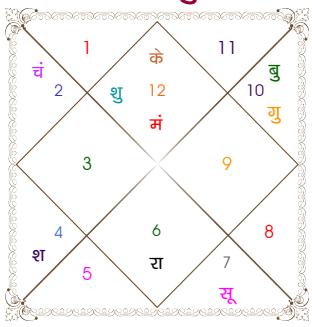

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी आपकी अच्छी रहेगी तथा मन से प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस वर्ष में माता से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा आप भी उनकी पूर्ण सेवा करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही मातृपक्ष या ससुराल से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में जमीन जायदाद तथा वाहनादि का सुख भी आपको प्राप्त होगा तथा इनसे प्रचुर मात्रा में लाभ की भी संभावनाएं रहेंगी। धर्म के प्रति आपका श्रद्धा भाव रहेगा तथा धार्मिक क्रियाकलापों को भी सम्पन्न करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा । इस समय व्यापार में आपकी वृद्धि तथा विस्तार होगा एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे । साथ ही किसी नवीन कार्य के प्रारम्भ की भी योजना बनेगी। नौकरी या राजनीति में आप की उन्नति होगी एवं उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से आपके मधुर संबंध रहेंगे साथ ही इनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा एवं यश में अभिवृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे साथ ही आर्थिक दृष्टि भी सुदृढ़ रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक कष्ट की भी अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति सामान्यतया अच्छी ही रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको न्यूनाधिक सफलता भी मिलती रहेगी। शत्रुपक्ष से इस समय आपको परेशानी होगी परन्तु आप उनका सामना करने में समर्थ रहेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित कर सकेंगे। समाज में इस समय आपकी प्रतिष्ठा मध्यम रहेगी तथा आप मिथ्यावाद के कारण कठिनाई का सामना कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे समय समय पर लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा परन्तु इसमें न्यूनाधिक भाव रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता अर्जित करेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही व्यापार संबधी कार्यो में भी मन्दी रहेगी लेकिन स्व पराक्रम एवं परिश्रम से आप इच्छित लाभ अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आपको वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है तथा स्थान परिवर्तन या आवास संबधी योजना का प्रारंभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपके अन्य रूके हुए कार्य भी इस वर्ष में पूर्ण होंगे। अतः समय का सदुपयोग करना चाहिए।

प्रथम मास

04/10/2025 17:35:04 से 03/11/2025 22:23:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	06:31:48
सूर्य		कन्या	हस्त	17:18:30
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	11:32:12
मंगल		तुला	स्वाति	14:02:19
बुध		तुला	चित्रा	02:26:38
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:39:30
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:10:14
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:16:41
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:01:54
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:01:54
मुंथा		मीन	रेवती	26:00:50

मासाधिपति

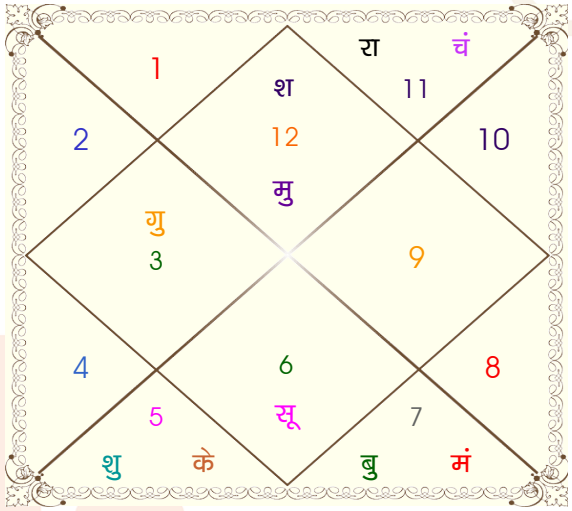

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

03/11/2025 22:23:04 से 03/12/2025 16:25:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	27:54:04
सूर्य		तुला	स्वाति	17:18:30
चन्द्र		मीन	रेवती	21:09:32
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	05:10:51
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	10:20:22
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:49:42
शुक्र		तुला	चित्रा	01:43:34
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:27:36
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:46:00
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:46:00
मुंथा		मीन	रेवती	28:30:50

मासाधिपति

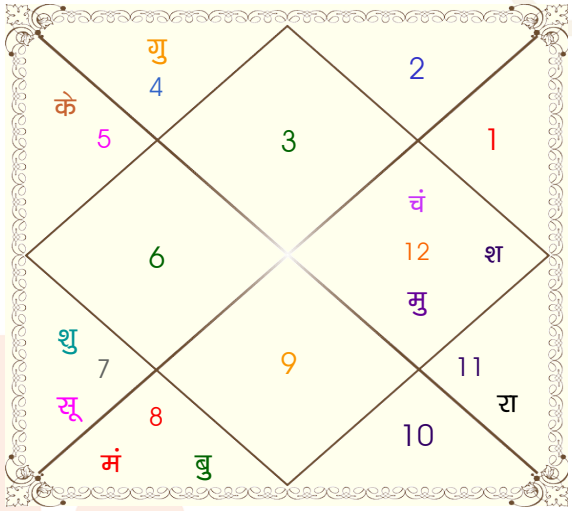

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
03/12/2025 16:25:51 से 02/01/2026 04:08:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	00:28:51
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:18:30
चन्द्र		मेष	भरणी	25:40:21
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:53:53
बुध		तुला	विशाखा	27:36:43
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:09:01
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	09:03:54
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:57:46
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:46:55
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:46:55
मुंथा		मेष	अश्विनी	01:00:50

मासाधिपति

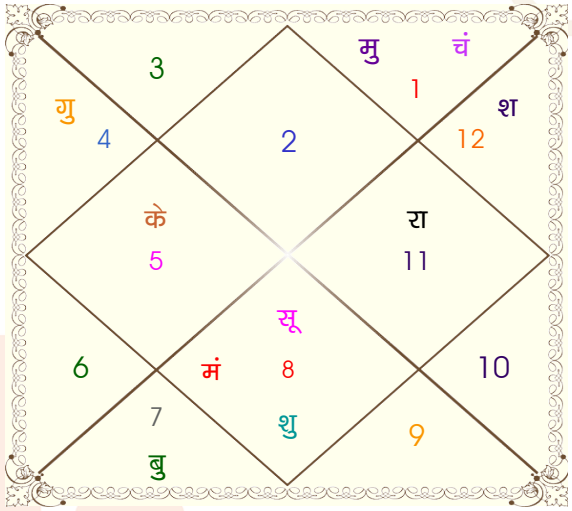

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लए मध्यम रहेगा अर्थात शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप का व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति भी करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी पूर्ण रूप से ठीक नहीं रहेगा इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पराक्रम एवं परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों एवं सम्बन्धियों के मध्य आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा उनसे उचित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस मास में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा शत्रुओं से नित्य भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। साथ ही मन से भी अशान्त रहेंगे एवं बैचेनी की अनुभूति करेंगे।

इसके साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं उससे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूपेण धन लाभ तथा सुख प्राप्त करेंगे। साथ ही आप समाज में कीर्ति भी प्राप्त कर सकेंगे।

चतुर्थ मास
02/01/2026 04:08:41 से 31/01/2026 15:28:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	04:32:23
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:18:30
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	26:41:03
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:11:23
बुध		धनु	मूल	05:52:19
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:00:44
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:10:20
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:00:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:35:27
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:35:27
मुंथा		मेष	अश्विनी	03:30:50

मासाधिपति

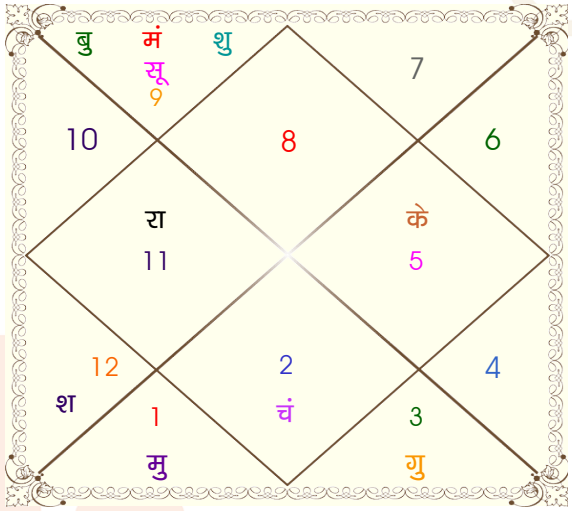

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

पंचम् मास
31/01/2026 15:28:15 से 02/03/2026 08:26:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	13:39:59
सूर्य		मकर	श्रवण	17:18:30
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	27:15:44
मंगल		मकर	श्रवण	12:02:49
बुध		मकर	धनिष्ठा	24:13:08
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:12:10
शुक्र		मकर	श्रवण	23:13:15
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:21:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:56:01
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:56:01
मुंथा		मेष	अश्विनी	06:00:50

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

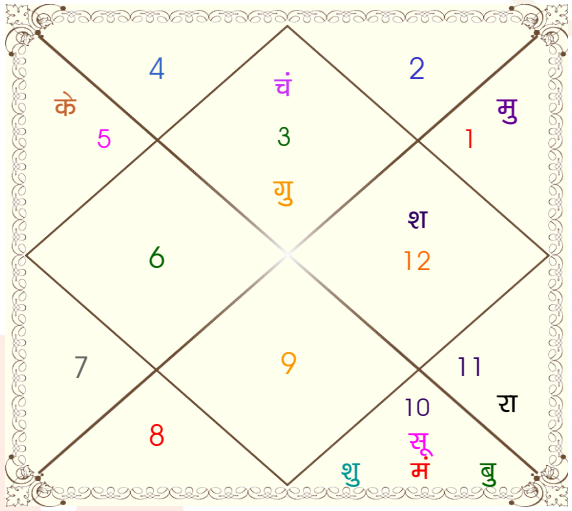

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

02/03/2026 08:26:54 से 01/04/2026 11:45:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	19:38:42
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	17:18:30
चन्द्र		सिंह	मघा	00:20:10
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	05:24:15
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:10:42
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:59:45
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	00:23:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:38:01
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:28
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:28
मुंथा		मेष	अश्विनी	08:30:50

मासाधिपति

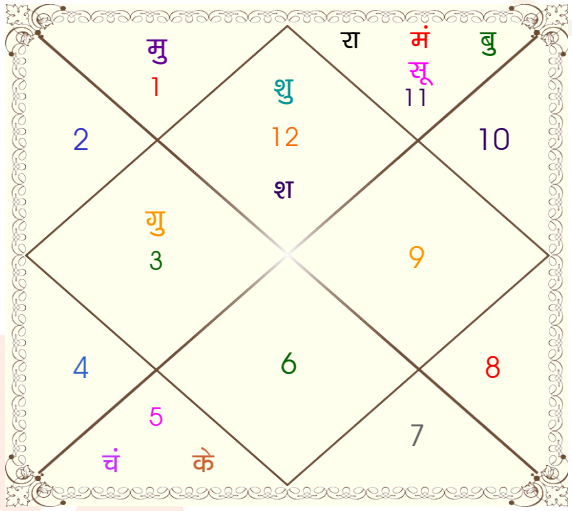

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

सप्तम् मास

01/04/2026 11:45:52 से 02/05/2026 03:31:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	16:40:15
सूर्य		मीन	रेवती	17:18:30
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:35:49
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:05:48
बुध		कुम्भ	शतभिषा	19:41:40
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:34:21
शुक्र		मेष	अश्विनी	07:44:15
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:21:17
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:31:44
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:31:44
मुंथा		मेष	अश्विनी	11:00:50

मासाधिपति

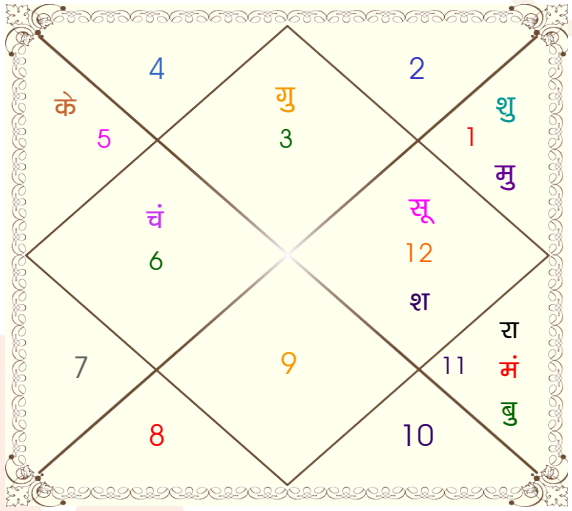

मासाधिपति : मंगल

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
02/05/2026 03:31:01 से 02/06/2026 06:29:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	पू०भाद्रपद	00:05:43
सूर्य		मेष	भरणी	17:18:30
चन्द्र		तुला	स्वाति	19:27:39
मंगल		मीन	रेवती	22:50:59
बुध		मेष	अश्विनी	03:28:15
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:49:00
शुक्र		वृष	रोहिणी	15:10:21
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:01:23
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:36:48
केतु	व	सिंह	मघा	12:36:48
मुंथा		मेष	भरणी	13:30:50

मासाधिपति

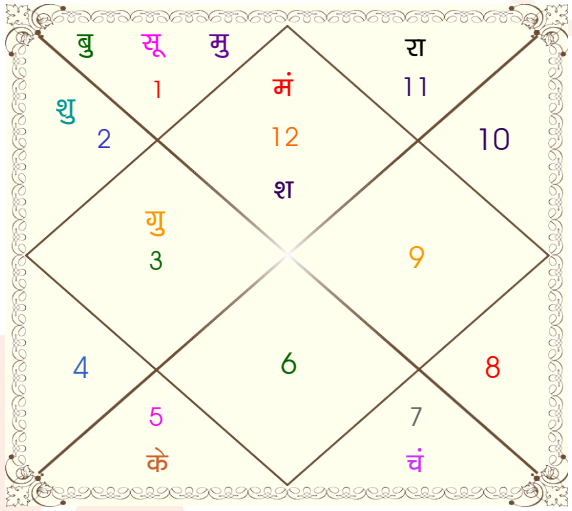

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

नवम् मास
02/06/2026 06:29:20 से 03/07/2026 16:17:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	00:05:19
सूर्य		वृष	रोहिणी	17:18:30
चन्द्र		धनु	मूल	05:36:37
मंगल		मेष	भरणी	16:18:11
बुध		मिथुन	आर्द्रा	06:41:18
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:02:13
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	22:23:48
शनि		मीन	रेवती	18:06:14
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	09:09:18
केतु	व	सिंह	मघा	09:09:18
मुंथा		मेष	भरणी	16:00:50

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

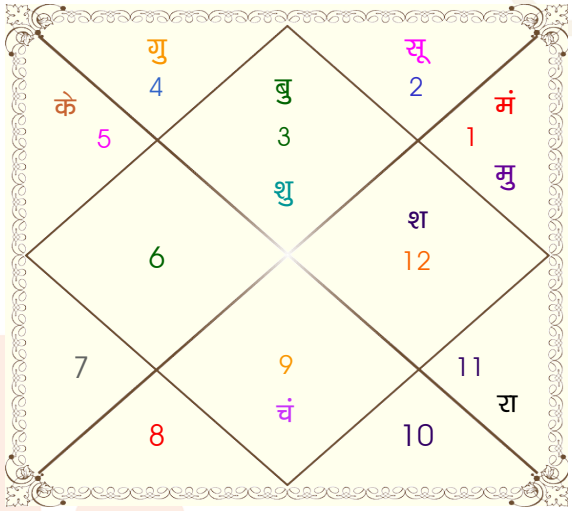

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ फल दायक रहेगा। इस समय महिला वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर सम्पन्न होंगे। इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण शान्ति तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में आपके मन में उत्सुकता उत्पन्न होगी। आपके मित्र तथा बन्धु जनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा सहायता प्राप्त होगी। इस समय आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज में भी आप सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए शुभ कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख साधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे एवं समाज तथा बन्धुवर्ग से पूर्ण सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
03/07/2026 16:17:06 से 04/08/2026 02:29:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	06:14:28
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	17:18:30
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	25:38:04
मंगल		वृष	कृतिका	09:04:04
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	01:30:19
गुरु		कर्क	पुष्य	06:27:30
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	28:44:04
शनि		मीन	रेवती	20:03:28
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:28:21
केतु	व	सिंह	मघा	06:28:21
मुंथा		मेष	भरणी	18:30:50

मासाधिपति

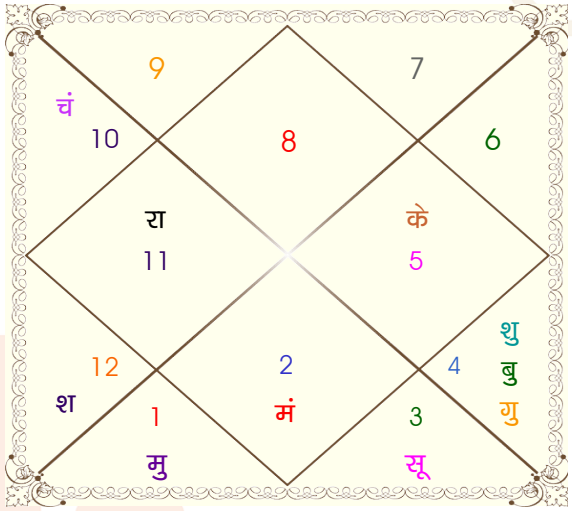

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी।साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे।अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं।साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे।

एकादश मास

04/08/2026 02:29:23 से 04/09/2026 06:34:08 तक

ग्रह		राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	01:54:33
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	17:18:30
चन्द्र		मीन	रेवती	19:08:54
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	00:46:30
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	27:59:54
गुरु		कर्क	पुष्य	13:22:00
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:47:35
शनि	व	मीन	रेवती	20:27:49
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:38:50
केतु		सिंह	मघा	05:38:50
मुंथा		मेष	भरणी	21:00:50

मासाधिपति

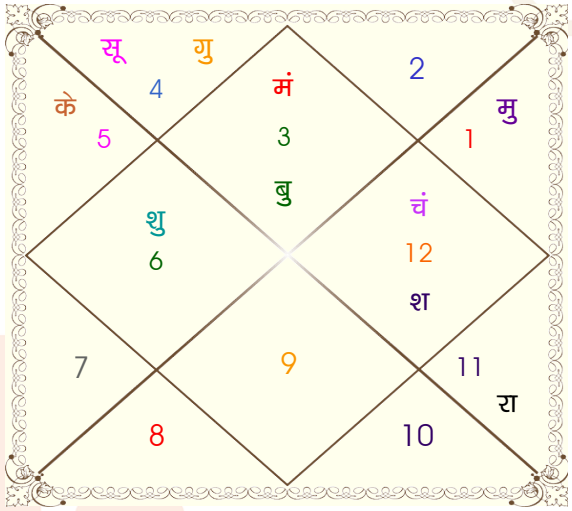

मासाधिपति : मंगल

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास

04/09/2026 06:34:08 से 04/10/2026 23:48:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:25:24
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:18:30
चन्द्र		वृष	रोहिणी	13:34:52
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	21:05:10
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:06:42
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:06:14
शुक्र		तुला	चित्रा	01:18:29
शनि	व	मीन	रेवती	19:16:18
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:31:43
केतु	व	सिंह	मघा	05:31:43
मुंथा		मेष	भरणी	23:30:50

मासाधिपति

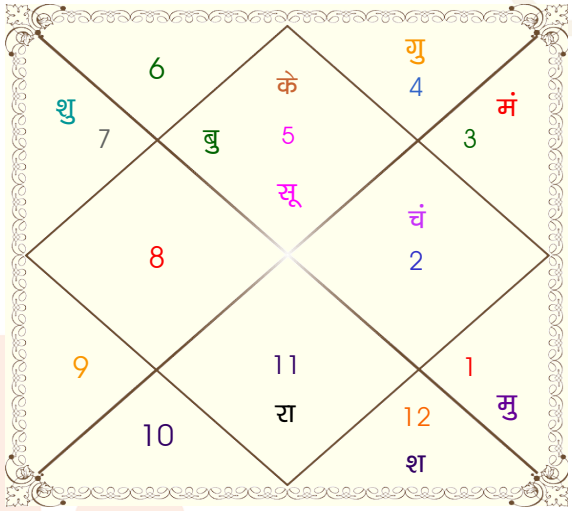

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।